भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: 97*
03 दिसम्बर, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर
राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण

***97. श्री बिद्युत बरन महतो:**
श्री गजानन कीर्तिकर:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में विशेषकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, तमिलनाडु और त्रिपुरा सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) किये जाने के मुख्य उद्देश्य क्या हैं तथा कितने एनएफएचएस किये गये हैं और इनके प्रमुख निष्कर्ष क्या रहे;

(ख) विशेषकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड और तमिलनाडु सहित एनएफएचएस-3 एवं 4 के अनुसार सर्वेक्षण-वार एवं राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कुपोषित, रक्ताल्पताग्रस्त, डायरिया एवं अन्य रोगों के लिये जीवन रक्षक वैक्सीन अप्रदत्त बच्चों का प्रतिशत कितना है;

(ग) क्या इन सर्वेक्षणों के उपरांत कोई सुधार देखा गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इनमें से कुछ सर्वेक्षणों में अनेक राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को सम्मिलित नहीं किया गया था, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या सरकार ने एनएफएचएस के फार्मेट की पुन: संरचना की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा अपनी भावी नीतियां एवं कार्यक्रम बनाने के लिए सटीक एवं उद्देश्यपरक आंकड़ों का संकलन सुनिश्चित करने हेतु क्या कदम उठाये गए हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (च): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

3 दिसम्बर, 2021 के लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 97 के उत्तर में प्रस्तुत विवरण:

(क) से (च): भारत में राष्ट्रीय परिवार कल्याण स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) 1990 के प्रारम्भ में शुरू किया गया था तथा भारत और उसके राज्यों के लिए यह जनसंख्या, स्वास्थ्य और पोषण के संबंध में आंकडों के एक राष्ट्रीय महत्व के स्रोत के रूप में उभरा है। अभी तक राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणों के पांच चरण आयोजित किए जा चुके है। एनएफएचएस का व्यापक उद्देश्य जनसंख्या तथा स्वास्थ्य संकेतकों के संबंध में उच्च गुणवत्तापूर्ण आंकडे उपलब्ध कराने के साथ -साथ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण में उभरते हुए मामलों के बारे में आंकडे उपलब्ध कराना तथा आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना है जो भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में मानक स्थापित करने, पिछले समय में हुई प्रगति की जांच करने में नीति निर्माताओं तथा कार्यक्रम प्रबंधकों की सहायता करेगी। इसके अतिरिक्त, यह सर्वेक्षण भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जाने वाले चल रहे कार्यक्रमों की प्रभावशीलता के संबंध में लक्ष्य भी उपलब्ध कराता है।

एनएफएचएस के नवीनतम चरण के अनुसार मुख्य स्वास्थ्य संकेतकों कें संबंध में भारत तथा राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों का निष्पादन राज्य / संघ राज्य क्षेत्र वार मुख्य निष्कर्ष अनुलग्नक -I में दिए गए हैं । तथापि, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखण्ड, तमिलनाडु, तथा त्रिपुरा के संबंध में कुछ मुख्य निष्कर्ष इस प्रकार है:

- बच्चों का जन्म पंजीकरण झारखण्ड को छोडकर जहां यह 73.5% है, सभी राज्यों में 90% से अधिक है।
- सभी राज्यों की कुल प्रजनन क्षमता दर, झारखंड को छोडकर जहां यह प्रति महिला 2.3 बच्चे है प्रजनन क्षमता के प्रतिस्थापन स्तर (टीएफआर 2.1) पर पहुंच गई है।
- पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर मध्यप्रदेश, झारखंड तथा त्रिपुरा में 40 से अधिक है।
- झारखंड (61.7%) को छोडकर सभी राज्यों में वर्तमान में विवाहित 15-49 वर्ष की आयु की लगभग अथवा दो तिहाई से अधिक महिलाएं अपनी गर्भता में या तो विलम्ब करने के लिए अथवा उसे सीमित करने के लिए गर्भनिरोधक की किसी भी विधि का उपयोग करती हैं।

- परिवार नियोजन के लिए झारखंड (11.5%) को छोडकर सभी राज्यों में अपूर्ण आवश्यकता 10% से कम है।
- पिछले 5 वर्षों में झारखंड (38.6%) को छोडकर सभी राज्यों में आधे से अधिक माताओं के पास उनके सबसे हाल के जन्म के लिए कम से कम 4 एएनसी दौरे किए गए थे। तमिलनाडु में पिछले 5 वर्षों में माताओं के पास उनके अपने सबसे हाल के जन्म के लिए कम से कम 4 एएनसी दौरे किए गए।
- संस्थानिक जन्म झारखंड (75.8%) तथा त्रिपुरा (89.2%) को छोडकर सभी राज्यों में 90% से अधिक है।
- बच्चों का पूर्ण टीकाकरण त्रिपुरा (69.5%) को छोडकर शेष सभी राज्यों में 70% से अधिक है।
- तमिलनाडु (55.1%) तथा त्रिपुरा (62.1%) को छोडकर 6 महिने से कम आयु के बच्चों का विशिष्ट स्तनपान 70% से अधिक है।
- 15-24 वर्ष की आयु की महिलाओं में माहवारी स्वास्थ्यकर उत्पादों का उपयोग तमिलनाडु (98.3%) में लगभग सर्वव्यापी है । फिर भी मध्यप्रदेश में केवल 60.5% युवा महिलाएं ही माहवारी में सुरक्षा की स्वास्थ्यकारी पद्धतियों का उपयोग करती है।

कुपोषणता, एनिमिया की व्याप्तता तथा बच्चों के पूर्ण टीकाकरण के संबंध में एनएफएचएस-3 तथा एनएफएचएस-4 के अनुसार राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार तथा राष्ट्रीय अनुमान अनुलग्नक –II तथा अनुलग्नक - III में दिए गए हैं। डायरिया के विरूद्ध वैक्सीनों कें संबंध में एनएफएचएस-3 तथा एनएफएचएस-4 प्रकाशन में जानकारी उपलब्ध नहीं है।

एनएफएचएस के उत्तरवर्ती चरणों में मुख्य स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संकेतकों के बारे में महत्वपूर्ण सुधार देखे गए हैं। एनएफएचएस के विभिन्न चरणों में कुछ संकेतकों का निष्पादन अनुलग्नक –IV में दिया गया है।

इन कुछ सर्वेक्षणों द्वारा कवर नहीं किए गए राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों का ब्यौरा निम्नवत है:

(i) <u>एनएफएचएस-1 (1992-93)</u>

- जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर क्षेत्र फील्ड वर्क के समय कानून और व्यवस्था की स्थिति के कारण को कवर नहीं किया गया था।
- नमूना चयन के लिए बेसिक प्रांचलों के संबंध में जानकारी उपलब्ध न होन के कारण एनएफएचएस-1 में सिक्किम को शामिल नहीं किया गया था।

  एनएफएचएस-1,2,3: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली को छोडकर संघ राज्य क्षेत्रों को एनएफएचएस प्रथम तीन चरणों में कवर नहीं किया गया था क्योंकि उस समय सर्वेक्षण का उद्देश्य राज्य स्तर के अनुमान उपलब्ध कराना था । इसके अलावा, संघ राज्य क्षेत्रों तथा जिलों को कवर किया जा रहा है।

  विभिन्न चरणों में अनुमानों की तुलनीयता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अभी तक किए गए पांच चरणों की कमोबेश समान संरचना है। फिर भी देश के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के प्रभाव क्षेत्र में उभरते हुए मामलों पर विचार करते हुए उत्तरवर्ती चरणों में प्रश्नावली तथा चल रहे कार्यक्रमों पर नजर रखने और नई नीतियां बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण आंकडों की आवश्यकता के लिए योग विलोपन तथा आशोधन किए जाते है। एनएफएचसी के प्रारम्भ होने के पश्चात से इसके प्रपत्र में किए गए मुख्य परिशोधन अनुलग्नक-V पर दिए गए है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय हमेंशा एकत्रण संसाधन तथा व्याख्या करने में अनेक नवप्रवर्तनकारी उपाय करके एनएफएचएस में आंकडों की गुण्वत्ता के सुदृढीकरण हेतु प्रयास करता रहा है। उत्तरवर्ती एनएफएचएस द्वारा चरणों में उठाए गए मुख्य कदम निम्नवत् हैं:

- व्यापक प्रशिक्षण तथा बहुस्तरीय मॉनिटरिंग एवं फील्डवर्क का पर्यवेक्षण ।
- बायोमार्कर्स के एकत्रण में यंत्रीय त्रुटियों, मानवीय त्रुटियों तथा प्रतिलेखन त्रुटियों को न्यूनतम करना।
- एनएफएचएस-4 से अंगीकार किए गए मॉड्युलर दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए नोस्टिड डिजाइन विकसित करना।
- कम्प्यूटर सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई) प्रारम्भ करना ।
- एनएफएचएस-4 से ऑनलाईन पारस्परिक वार्ताओं के माधयम से तत्काल फीडबैक के लिए फील्ड चैक तालिकाओं का अपयोग करते हुए आंकडों के लिए वास्तविक समय पहुच।

- एनएफएचएस-5 से पर्यवेक्षक द्वारा प्राथमिक नमूना एकत्रण इकाई (पीएसयू) से एकत्रित किए गए आंकडों में त्रुटि संदेश विकसित करना।
- आंकडों की गुणवत्ता में वृद्धि करने के लिए किसी भी पीएसयू के पूरा करने से पहले चयनित संकेतकों पर पूछताछ रिपोर्टें सृजित करने हेतु कृत्रिम आसूचना (एआई) तथा मशीन लर्निंग (एमएल) का अनुप्रयोग।
- एनएफएचएस-5 के दूसरे चरण में कोविड-19 विशिष्ठ एसओपी विकसित करना।
- प्रत्येक जिले में 10% पीएसयू में अनियमित रूप से चयन किए गए परिवारों (एचएच) में पिछली जांचे करना तथा कोविड उपरान्त परिदृश्य में सर्वेक्षण किए गए 10% से अधिक परिवारों में अन्तर पाए जाने के मामले में सभी परिवारों का फिर से दौरा करना।

चयनित प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों का कार्य निष्पादन, एनएफएचएस-5 (2019-21)

राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	5 वर्ष से कम आयु के बच्चे जिनके जन्म को सिविल अथॉरिटी में पंजीकृत किया गया था (%)	कुल प्रजनन दर (प्रति महिला बच्चे)	पांच वर्ष से कम मृत्यु दर (U5MR)	परिवार नियोजन के तरीकों- किसी भी विधि का वर्तमान उपयोग- (%)	परिवार नियोजन के लिए कुल अपूरित आवश्यकता(%)	माताएं जिन्होंने कम से कम 4 प्रसवपूर्व परिचर्या मुलाकातें की (%)	संस्थागत जन्म (%)	टीकाकरण कार्ड या मां की याद की जानकारी के आधार पर 12-23 महीने की उम्र के बच्चों को टीका लगाया गया (%)	6 महीने से कम उम्र के बच्चे जिन्हें केवल स्तनपान कराया गया (%)	15-24 वर्ष की उम्र की महिलाएं जो अपने मासिक धर्म के दौरान सुरक्षा के स्वच्छ तरीकों का उपयोग करती हैं (%)
भारत	**89.1**	**2.0**	**41.9**	**66.7**	**9.4**	**58.1**	**88.6**	**76.4**	**63.7**	**77.3**
अंडमान निकोबार द्वीपसमूह	97.4	1.3	(24.5)	65.8	13.5	83.4	99.0	77.8	(73.3)	98.9
आंध्र प्रदेश	92.2	1.7	35.2	71.1	4.7	67.5	96.5	73.0	68.0	85.1
अरुणाचल प्रदेश	87.7	1.8	18.8	59.1	12.5	36.5	79.2	64.9	63.4	91.8
असम	96.3	1.9	39.1	60.8	11.0	50.7	84.1	66.4	63.6	66.3
बिहार	75.6	3.0	56.4	55.8	13.6	25.2	76.2	71.0	58.9	58.8
चंडीगढ़	97.6	1.4	*	77.4	6.9	78.7	96.9	(80.9)	#	93.4
छत्तीसगढ़	96.6	1.8	50.4	67.8	8.3	60.1	85.7	79.7	80.4	68.8
दादर एवं नगर हवेली	98.1	1.8	37.0	68.0	11.9	86.2	96.5	94.9	79.4	93.6
गोवा	100.0	1.3	(10.6)	67.9	8.4	93.0	99.7	81.9	(61.4)	96.8
गुजरात	97.5	1.9	37.6	65.3	10.3	76.9	94.3	76.3	65.0	65.8
हरियाणा	95.1	1.9	38.7	73.1	7.6	60.4	94.9	76.9	69.5	93.2
हिमाचल प्रदेश	97.9	1.7	28.9	74.2	7.9	70.3	88.2	89.3	69.9	91.5
जम्मू-कश्मीर	95.3	1.4	18.5	59.8	7.8	80.9	92.4	86.2	62.0	73.4
झारखंड	**73.5**	**2.3**	**45.4**	**61.7**	**11.5**	**38.6**	**75.8**	**73.9**	**76.1**	**74.9**
कर्नाटक	97.5	1.7	29.5	68.7	6.5	70.9	97.0	84.1	61.0	84.2

केरल	99.0	1.8	5.2	60.7	12.5	78.6	99.8	77.8	55.5	93.0
लद्दाख	98.6	1.3	29.5	51.3	7.9	78.4	95.1	88.2	70.9	78.2
लक्षद्वीप	100.0	1.4	(0.0)	52.6	12.3	88.3	99.6	(86.1)	(67.0)	98.3
मध्य प्रदेश	**94.1**	**2.0**	**49.2**	**71.7**	**7.7**	**57.5**	**90.7**	**77.1**	**74.0**	**60.5**
महाराष्ट्र	**96.3**	**1.7**	**28.0**	**66.2**	**9.6**	**70.3**	**94.7**	**73.5**	**71.0**	**84.8**
मणिपुर	87.4	2.2	30.0	61.3	12.2	79.4	79.9	68.8	70.7	82.9
मेघालय	82.1	2.9	40.0	27.4	26.9	52.2	58.1	63.8	42.7	64.9
मिजोरम	99.4	1.9	24.0	31.2	18.9	58.0	85.8	72.5	67.9	89.8
नागालैंड	73.2	1.7	33.0	57.4	9.1	20.7	45.7	57.9	43.2	80.2
दिल्ली की एनसीटी	94.4	1.6	30.6	76.4	6.1	77.2	91.8	76.0	64.3	96.9
ओडिशा	90.8	1.8	41.1	74.1	7.2	78.1	92.2	90.5	72.9	81.5
पुडुचेरी	99.3	1.5	3.9	66.0	10.5	86.9	99.6	82.0	64.8	99.1
पंजाब	97.7	1.6	32.7	66.6	9.9	59.3	94.3	76.2	55.5	93.2
राजस्थान	91.4	2.0	37.6	72.3	7.6	55.3	94.9	80.4	70.4	84.1
सिक्किम	96.5	1.1	11.2	69.1	11.9	58.4	94.7	80.6	28.3	86.3
तमिलनाडु	**98.3**	**1.8**	**22.3**	**68.6**	**7.5**	**89.9**	**99.6**	**89.2**	**55.1**	**98.3**
तेलंगाना	90.0	1.8	29.4	68.1	6.4	70.4	97.0	79.1	68.2	92.1
त्रिपुरा	**93.8**	**1.7**	**43.3**	**71.2**	**8.2**	**52.7**	**89.2**	**69.5**	**62.1**	**68.8**
उत्तर प्रदेश	79.5	2.4	59.8	62.4	12.9	42.4	83.4	69.6	59.7	72.6
उत्तराखंड	91.9	1.9	45.6	70.8	8.8	61.8	83.2	80.8	52.5	91.2
पश्चिम बंगाल	98.2	1.6	25.4	74.4	7.0	75.8	91.7	87.8	53.3	83.0

स्रोत: एनएफएचएस-5 नेशनल/स्टेट/यूटी फैक्टशीट्स(http://rchiips.org/nfhs/factsheet_NFHS-5.shtml)

** दर नहीं दिखाई गई; 250 से कम अभारित व्यक्ति-मौत के जोखिम के संपर्क के वर्षों के आधार पर।*

 # प्रतिशत नहीं दिखाया गया है; 25 से कम अभारित मामलों के आधार पर।

() आंकड़े में 25-49 अभारित मामलों पर आधारित हैं

अनुलग्नक-II

राज्य/ संघ राज्य क्षेत्रके अनुसार पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों का प्रतिशत जिन्हें पोषण की स्थिति के तीन मानवशास्त्रीय सूचकांकों के अनुरूप कुपोषित के रूप में वर्गीकृत किया गया है , एनएफएचएस-3 (2005-06) और एनएफएचएस-4 (2015-16) ।

राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	5 वर्ष से कम आयु के बच्चे जो बौने हैं (आयु के अनुसार ऊचांई)* (%)		5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे जो दुर्बल हैं (ऊंचाई के अनुसार वजन)* (%)		5 वर्ष से कम आयु के बच्चे जो कम वजन वाले हैं (आयु अनुसार वजन)* (%)	
	एनएफएचएस-3	एनएफएचएस-4	एनएफएचएस-3	एनएफएचएस-4	एनएफएचएस-3	एनएफएचएस-4
भारत	**48**	**38.4**	**19.8**	**21**	**42.5**	**35.7**
आंध्र प्रदेश	42.7	31.4	12.2	17.2	32.5	31.9
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	-	23.3	-	18.9	-	21.5
अरुणाचल प्रदेश	43.3	29.3	15.3	17.3	32.5	19.5
असम	46.5	36.4	13.7	17	36.4	29.8
बिहार	55.6	48.3	27.1	20.8	55.9	43.9
चंडीगढ़	-	28.7	-	10.9	-	24.5
छत्तीसगढ़	52.9	37.6	19.5	23.1	47.1	37.7
दादरा और नगर हवेली	-	41.7	-	27.6	-	38.8
दमन और दीव	-	23.4	-	24.1	-	26.7
दिल्ली	42.2	31.9	15.4	15.9	26.1	27
गोवा	25.6	20.1	14.1	21.9	25	23.8
गुजरात	51.7	38.5	18.7	26.4	44.6	39.3
हरियाणा	45.7	34	19.1	21.2	39.6	29.4
हिमाचल प्रदेश	38.6	26.3	19.3	13.7	36.5	21.2
जम्मू-कश्मीर	35	27.4	14.8	12.1	25.6	16.6
झारखंड	**49.8**	**45.3**	**32.3**	**29**	**56.5**	**47.8**
कर्नाटक	43.7	36.2	17.6	26.1	37.6	35.2
केरल	24.5	19.7	15.9	15.7	22.9	16.1
लक्षद्वीप	-	26.8	-	13.7	-	23.6
मध्य प्रदेश	**50**	**42**	**35**	**25.8**	**60**	**42.8**
महाराष्ट्र	**46.3**	**34.4**	**16.5**	**25.6**	**37**	**36**
मणिपुर	35.6	28.9	9	6.8	22.1	13.8
मेघालय	55.1	43.8	30.7	15.3	48.8	28.9
मिजोरम	39.8	28.1	9	6.1	19.9	12
नागालैंड	38.8	28.6	13.3	11.2	25.2	16.7
ओडिशा	45	34.1	19.5	20.4	40.7	34.4
पुद्दुचेरी		23.7	-	23.6	-	22

पंजाब	36.7	25.7	9.2	15.6	24.9	21.6
राजस्थान	43.7	39.1	20.4	23	39.9	36.7
सिक्किम	38.3	29.6	9.7	14.2	19.7	14.2
तमिलनाडु	**30.9**	**27.1**	**22.2**	**19.7**	**29.8**	**23.8**
तेलंगाना	-	28	-	18	-	28.3
त्रिपुरा	35.7	24.3	24.6	16.8	39.6	24.1
उत्तर प्रदेश	56.8	46.2	14.8	17.9	42.4	39.5
उत्तराखंड	44.4	33.5	18.8	19.5	38	26.6
पश्चिम बंगाल	44.6	32.5	16.9	20.3	38.7	31.5

स्रोत: एनएफएचएस रिपोर्ट/फैक्टशीट्स(http://rchiips.org/nfhs/index.shtml)

* इंटरनेशनल रेफरेंस पॉपुलेशन मीडियन से 2 एसडी से कम

आंध्र प्रदेश के एनएफएचएस-3 के आंकड़े अविभाजित राज्य आंध्र प्रदेश के अनुमानों को दर्शाते हैं।

अनुलग्नक-III

6-59 महीने की आयु के बच्चों का प्रतिशत जिन्हें रक्त की कमी के रूप में वर्गीकृत किया गया है और 12-23 महीने की आयु के बच्चों का प्रतिशत जिन्हें राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र, एनएफएचएस-3 (2005-06) और एनएफएचएस-4 (2015-16) के अनुसार टीकाकरण कार्ड या मां की याद से जानकारी के आधार पर पूरी तरह से प्रतिरक्षित किया गया है।

राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	6-59 माह की आयु के बच्चे जिनमें रक्त की कमी है (<11.0 जी/डीएल) (%)		12-23 महीने की आयु के बच्चे जिन्हें टीकाकरण कार्ड या मां की याद से जानकारी के आधार पर पूर्णरूपेण प्रतिरक्षित किया गया है (%)	
	एनएफएचएस-3	एनएफएचएस-4	एनएफएचएस-3	एनएफएचएस-4
भारत*	**69.5**	**58.5**	**43.5**	**62.0**
आंध्र प्रदेश	70.8	58.6	46.0	65.2
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	-	49	-	73.2
अरुणाचल प्रदेश	56.9	54.2	28.4	38.2
असम	69.6	35.7	31.4	47.1
बिहार	78	63.5	32.8	61.7
चंडीगढ़	-	73.1	-	(79.5)
छत्तीसगढ़	71.2	41.6	48.7	76.4
दादरा और नगर हवेली	-	84.6	-	43.2
दमन और दीव	-	73.8	-	66.3
दिल्ली	57	59.7	63.2	68.8
गोवा	38.2	48.3	78.6	88.4
गुजरात	69.7	62.6	45.2	50.4
हरियाणा	72.3	71.7	65.3	62.2
हिमाचल प्रदेश	54.7	53.7	74.2	69.5
जम्मू-कश्मीर#	58.6	54.5	66.7	75.1
झारखंड	**70.3**	**69.9**	**34.2**	**61.9**
कर्नाटक	70.4	60.9	55.0	62.6
केरल	44.5	35.7	75.3	82.1
लक्षद्वीप	-	53.6	-	89.0
मध्य प्रदेश	**74.1**	**68.9**	**40.3**	**53.6**
महाराष्ट्र	**63.4**	**53.8**	**58.8**	**56.2**
मणिपुर	41.1	23.9	46.8	65.8
मेघालय	64.4	48	32.9	61.4
मिजोरम	44.2	19.3	46.5	50.7
नागालैंड	-	26.4	21.0	35.4
ओडिशा	65	44.6	51.8	78.6
पुद्दुचेरी	-	44.9	-	91.2
पंजाब	66.4	56.6	60.1	89.0

राजस्थान	69.7	60.3	26.5	54.8
सिक्किम	59.2	55.1	69.6	83.0
तमिलनाडु	**64.2**	**50.7**	**80.9**	**69.7**
तेलंगाना	-	60.7	-	67.5
त्रिपुरा	62.9	48.3	49.7	54.5
उत्तर प्रदेश	73.9	63.2	23.0	51.1
उत्तराखंड	61.4	59.8	60.0	57.6
पश्चिम बंगाल	61	54.2	64.3	84.4

स्रोत: एनएफएचएस रिपोर्ट्स/ फैक्टशीट्स(http://rchiips.org/nfhs/index.shtml)

- एनएफएचएस-3 में एनीमिया के राष्ट्रीय आकलन में नगालैंड राज्य को बाहर रखा गया हैं।

आंध्र प्रदेश के एनएफएचएस-3 के आंकड़े अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य के लिए अनुमानों को दर्शाते हैं।

() में आंकड़े 25-49 अभारित मामलों पर आधारित हैं ।

अनुलग्नक -IV

एनएफएचएस के विभिन्न दौरों में प्रमुख संकेतकों का प्रदर्शन

Sl. नहीं।	सूचक	एनएफएचएस-3 (2005-06)	एनएफएचएस-4 (2015-16)	एनएफएचएस-5 (2019-21)
	जनसंख्या और घरेलू प्रोफाइल			
1	5 वर्ष से कम आयु के बच्चे जिनके जन्म को सिविल अथॉरिटी में पंजीकृत किया गया था (%)	41.1	79.7	89.1
2	बिजली के साथ घरों में रहने वाली आबादी (%)	67.9	88	96.8
3	एक बेहतर पेयजल स्रोत वाले घरों में रहने वाली आबादी (%)	87.9	94.4	95.9
4	बेहतर स्वच्छता सुविधा का उपयोग करने वाले घरों में रहने वाली आबादी (%)	29	48.5	70.2
5	खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन का उपयोग करने वाले परिवार (%)	25.6	43.8	58.6
6	स्वास्थ्य बीमा/वित्तपोषण योजना के तहत कवर किए गए किसी भी सामान्य सदस्य वाले परिवार (%)	ना	28.7	41
	शादी और प्रजनन क्षमता			
7	20-24 वर्ष की आयु की महिलाओं की शादी 18 वर्ष से पहले (%)	47.4	26.8	23.3
8	महिलाओं की उम्र 15-19 वर्ष जो सर्वेक्षण के समय पहले से ही मां या गर्भवती थीं (%)	16	7.9	6.8
9	कुल प्रजनन दर (प्रति महिला बच्चे)	2.7	2.2	2.0
	परिवार नियोजन			
10	परिवार नियोजन विधियों का वर्तमान उपयोग- कोई भी विधि (%)	56.3	53.5	66.7
11	परिवार नियोजन विधियों का वर्तमान उपयोग- कोई भी आधुनिक विधि (%)	48.5	47.8	56.5
12	परिवार नियोजन के लिए कुल अपूरित आवश्यकता (%)	12.8	12.9	9.4
	मातृत्व और प्रसव देखभाल			
13	माताओं जो पहली तिमाही में एक प्रसवपूर्व जांच की थी (%)	44	58.6	70
14	माताओं जो कम से कम 4 प्रसवपूर्व देखभाल यात्राओं था (%)	37	51.2	58.1
15	प्रसव के 2 दिनों के भीतर डॉक्टर/नर्स/एलएचवी/एएनएम/दाई/अन्य स्वास्थ्य कर्मियों से प्रसवोत्तर देखभाल प्राप्त करने वाली माताएं (%)	36.8	62.4	78
16	संस्थागत जन्म (%)	40.8	78.9	88.6
	बाल टीकाकरण और बाल आहार प्रथाएं			
17	12-23 महीने की उम्र के बच्चों को पूरी तरह से टीकाकरण कार्ड या मां की याद से जानकारी के आधार पर टीका लगाया (%)	43.5	62	76.4

18	3 वर्ष से कम आयु के बच्चों को जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान कराया गया (%)	23.4	41.6	41.8
19	6 महीने से कम उम्र के बच्चों को विशेष रूप से स्तनपान कराया गया (%)	46.3	54.9	63.7
	बच्चों के पोषण की स्थिति			
20	5 वर्ष से कम आयु के बच्चे जो अवरुद्ध हैं (ऊंचाई-आयु के लिए) (%)	48	38.4	35.5
21	5 साल से कम उम्र के बच्चे जो बर्बाद हो जाते हैं (वजन के लिए ऊंचाई) (%)	19.8	21	19.3
22	5 वर्ष से कम आयु के बच्चे जो कम वजन वाले हैं (वजन के लिए आयु) (%)	42.5	35.8	32.1
	महिला सशक्तिकरण			
23	एक बैंक या बचत खाता रखने वाली महिलाओं को वे स्वयं उपयोग करती हैं (%)	15	53	78.6
24	15-24 वर्ष की उम्र की महिलाएं जो अपने मासिक धर्म के दौरान सुरक्षा के स्वच्छ तरीकों का उपयोग करते हैं (%)	ना	57.6	77.3

स्रोत: एनएफएचएस रिपोर्ट और फैक्टशीट्स(http://rchiips.org/nfhs/index.shtml)

<u>एनएफएचएस के प्रारंभ होने के समय से इसके प्रारूप में किए गए मुख्य संशोधन</u>

1. प्रतिवादी: एनएफएचएस कें प्रथम चरण (1992-93) में 13-49 वर्ष की आयु की कभी भी विवाहित हुई महिलाओं से जानकारी एकत्र की गई थी, आयु सीमा में आशोधन कर दिया गया था । तीसरे चरण तथा उसके पश्चात कभी विवाहित नहीं हुई 15-49 वर्ष की आयु की महिलाओं तथा कभी भी विवाहित हुए और कभी विवाहित नहीं हुए 15-54 वर्ष की आयु के पुरूषों का साक्षात्कार लिया गया ।

2. कवरेज: एनएफएचएस के प्रथम तीन चरणें में एनसीटी दिल्ली को छोडकर अन्य किसी भी संघ राज्य क्षेत्र को सर्वेक्षणों में कवर नहीं किया गया था। फिर भी एनएफएचएस -4 (2014-15) से सर्वेक्षण के कवरेज का विस्तार देश के सभी राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों तक दिया गया है तथा उनके लिए अनुमान उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

3. एनएफएचएस के प्रथम तीन चरणों में राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर अनुमान उपलब्ध कराए गए थे । फिर भी जिला स्तरों तक मुख्य संकेतकों के अनुमान उपलब्ध कराने के लिए चौथे चरण से एनएफएचएस के अभिकल्प में परिवर्तन कर दिया गया है। इससे सर्वेक्षण के नमुना आकार में जबरदस्त बढोतरी हुई है। यह संख्या जो एनएफएचएस-1 में 88562 परिवार थी बढकर एनएफएचएस 2 में 91196 परिवार एनएफएचएस-3 में 109041 परिवार से एनएफएचएस-4में 601509 परिसार तथा एनएफएचएस-5 में 636699 हो गई है।

4. बायोमार्कर्स: एनएफएचएस-1 में केवल उंचाई लम्बाई तथा भारत के संबंध में सूचना एकत्र की गई थी । दूसरे चरण में हीमोग्लोबिन टैस्टिंग तथा साल्ट आयोडाजेशन जैसे बायोमार्कर्स को शामिल किया गया था। एनएफएचएस-3 में भारत में प्रथम बार समुदाय आधारित एसआईवी टेस्टिंग की गई थी। एनएफएचएस-4 में पहली बार ब्लड प्रेशर तथा रैंडम ब्लड शुगर मापों को एनएफएचएस में शामिल किया गया था । हाल में सम्पन्न हुए एनएफएचएस-5 में एचआइवी को छोडकर उपर दर्शाए गए सभी टेस्टों तथा पहले चरण के मापों को शामिल किया गया था तथा वेस्ट और हिप परिधि एचबीए-1सी, मलेरिया पैरासाइट्स तथा मलेरिया रोधी औषधि प्रतिरोध और विटामिन डी - 3 जैसे नए टेस्ट एवं मापन किए गए थे ।

5. एनएफएचएस के तीसरे और चौथे चरणों में आठ शहरों नामत: चैन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, इन्दौर, कोलकाता, मेरठ, मुम्बई तथा नागपुर के लिए स्लम तथा गैर स्लम आबादियों के लिए जनसंख्या और स्वास्थ्य संकेतकों के अनुमान अलग से उपलब्ध कराए गए थे ।

6. एनएफएचएस-4 से फील्ड से एकत्र किए गए आंकडों को केन्द्रीय कार्यालय में समकालिक करने के लिए कम्प्यूटर सहायता प्राप्त व्यक्तिक साक्षात्कार (सीएपीआई) विधि को एनएफएचएस में शामिल किया गया है जो आंकडों को संशोधित करने तथा आंकडों को निर्बाध बनाने की अवधि में काफी हद तक कमी करती है। सीएपीआई विधि फील्ड स्तर पर भी अशुद्धियों तथा साक्षात्कार अवधि को न्यूनतम करती है ।

7. खास संकेतकों के लिए आयु सीमा में परिवर्तन: एनएफएचएस-5 से पहले वयस्कों के लिए मधुमेह तथा उच्च रक्तचाप की व्याप्तता के संबंध में जानकारी महिलाओं की 15-49 वर्ष की आयु से एकत्र की जा रही थी। फिर भी, एनएफएचएस-5 में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के संकेतकों की अनुपालना करने के लिए 15 तथा उससे अधिक आयु के वयस्कों से एकत्र की गई थी।

इसी प्रकार, एनएफएचएस-5 में महिलाओं कें विरूद्ध हिंसा कें संबंध में बच्चों की यौन अपराध से सुरक्षा (पीओसीएसओ) विनियमों की अनुपालना में 15-49 के बजाय केवल में जानकारी 18-49 वर्ष की महिलाओं से एकत्र की गई थी ।